बी०ए० संस्कृत

चतुर्थ सत्र (Semester- IV)

कौशलविकास पाठ्यक्रम | **वैदिक कर्मकाण्ड** | **पूर्णाङ्क -100**

(Skill development course) | **Vedic Ritual** | **सत्रान्त परीक्षा -60**

Paper BSA–S421 | **आन्तरिक परीक्षा-40**

सकल-अर्जिताधिभार 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पत्र का उद्देश्य छात्रों को वैदिक कर्मकाण्ड से परिचित कराना है। इससे छात्र वैदिक कर्मकाण्ड के वास्तविक स्वरूप को जान सकता है। वैदिक कर्मकाण्ड के यथार्थस्वरूप को जानकर स्वरोजगार में प्रवृत्त हो सकता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से वैदिककर्मकाण्ड के महत्त्व को जानेंगे।

CO2 कर्मकाण्डविषयक विविध ज्ञान-विज्ञान से परिचित होंगे।

CO3 इस पत्र के अध्ययन से छात्रों में रोजगार प्राप्त करने के कौशल में वृद्धि होगी ।

CO4 इससे छात्रों में आध्यात्मिक मूल्य विकसित होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I पञ्चमहायज्ञ स्वरूप एवं महत्त्व

1 पञ्च महायज्ञ विधि एवं महत्त्व
2 ब्रह्म यज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व
3 देव यज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व
4 पितृ, अतिथि एवं बलिवैश्वदेवयज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व

Unit-II वैदिक कर्मकाण्ड

1 गृहप्रवेश विधि

2 व्यापारिक प्रतिष्ठान शुभारम्भ विधि

3 शिलान्यास विधि

4 जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगाँठ विधि

5 श्रावणी उपाकर्म एवं दीपावली यज्ञ विधि

खन्ड (III) संस्कारों की विधि एवं महत्त्व

1 पुंसवन एवं सीमन्तोन्नयन संस्कार विधि एवं महत्त्व

2 नामकरण संस्कार मुंडन संस्कार विधि एवं महत्त्व

3 अन्नप्राशन संस्कार एवं कर्णवेध संस्कार विधि एवं महत्त्व

4 उपनयन संस्कार विधि एवं महत्त्व

5 विवाह संस्कार विधि एवं महत्त्व

6 अंत्येष्टि संस्कार विधि एवं महत्त्व

संस्तुत ग्रन्थ

1. संस्कार विधि नई सड़क नई दिल्ली ,गोविन्दराम हासानन्द ,महर्षि दयानन्द सरस्वती -

2. संस्कार चंद्रिका ,सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार -गोविन्दराम हासानन्दनई सड़क नई दिल्ली ,

3. नित्यकर्म विधि आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट खरी बावड़ी दिल्ली -

4. संस्कार भास्कर नई सड़क नई दिल्ली ,गोविन्दराम हासानन्द , मदनमोहन विद्यासागर -

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	इसके अध्ययन से वैदिककर्मकाण्ड के महत्त्व को जानेंगे।	PO.4
CO2	कर्मकाण्डविषयक विविध ज्ञान-विज्ञान से परिचित होंगे।	PO.3
CO3	इस पत्र के अध्ययन से छात्रों में रोजगार प्राप्त करने के कौशल में वृद्धि होगी।	PO.8
CO4	इससे छात्रों में आध्यात्मिक मूल्य विकसित होंगे।	PO.6

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.1, PO.3, PO.8, PO.6 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।